## Newspaper Clips

January 15, 2014

Times of India ND 15-Jan-14

## IIT Delhi, SPA to help draft heritage bylaws

Richi Verma TNN

New Delhi: Under pressure to speed up the process of notifying heritage bylaws for the over 3,600 centrally protected monuments in the country, the culture ministry has notified four institutions as expert heritage bodies to assist in the drafting of heritage bylaws. The four institutions include Delhi's School of Planning and Architecture and IIT-D. Till now, the only institution identified as an expert heritage body under the amended ASI Act of 2010 was Indian National Trust for Art and Cultural Heritage.

Till date, only two monument bylaws, Sher Shah Gate and Khairul Manzil, have



HOPE FOR HERITAGE: Bylaws for Begumpuri Masjid are likely to be notified soon

been notified but now with more institutions involved in the process, the number is likely to move up. According to senior officials from Archaeological Survey of India, bylaws for several monuments, including Delhi's Begumpuri Masjid, Keshi Ghat in Vrindavan, Dwarkadeesh, Sarkhej in Ahmedabad, Pataleshwar caves in Pune, Currency Building in Kolkata, churches of Goa and Farukh Nagar in Haryana are almost ready and likely to be notified in a month.

"Now that there are four more agencies notified as expert heritage bodies, the work can be divided amongst all the institutions. We will hold a meeting with all these institutions shortly and invite expression of interests from all of them. The parameters are already in place and we need to sit together to fast track the process," ASI director general Praveen Srivastava told TOI.

While Intach has forwarded a proposal to ASI to draft by laws for all 174 monuments in Delhi, it appears that ASI is shying away from awarding the project to it. Intach has already prepared bylaws for about 40 monuments across the country unofficially based on 13 typologies drafted by them but, surprisingly, ASI officials have said that the 13 typologies for monuments were not feasible. As per Intach's report, the typologies cover 50 monuments across the country in all types of situations like urban and rural settings and living monuments and, in this report, Intach had said, that once approved, the 13 typologies could serve as case studies. The report on monument typologies were submitted to ASI about three years ago but now the body says that it was not practical.

ASI officials defended their decision. "Each monument has distinct characteristics. The 13 categories or typologies identified by INTACH don't lend themselves to all monuments," reasoned a top ASI official. Intach convener A G K Menon, meanwhile, said that they had no dialogue with ASI on any project. "If there was some deficiency in our proposal we would like to know about it. But the ASI has not communicated anything to us," he said.

# KE THE CA VI) ACFIT

CAT EXAM 6 out of 8 people who get 100 percentile are from IIT backgrounds

#### **HT Correspondent**

NEW DELHI: Eight persons, including one from Delhi, have managed to get the coveted 100 percentile score in the Common Admission Test (CAT) 2013, for admission to the Indian Institutes of Management (IIMs) and other business schools.

The results were announced on Tuesday. All the eight are engineers and three have work experience in automobile, IT and banking sectors, CAT 2013 convenor Rohit Kapoor told HT. Six of them are from IITs.

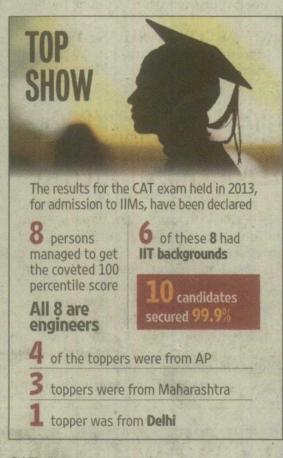
More than 1.73 lakh candidates had taken the test, which was conducted in 76 test centres across 40 cities over 20 days between October 16 and November 11 last year.

More than 51,000 of the exam candidates were female.

There are 10 candidates also who have scored 99.9 percentile.

Candidates take the CAT examination for entering into 13 Indian Institute of Managements (IIMs) and 128 management institutes.

"Among the top ten, two have a Masters degree in engineering and six have a Bachelors degree in the same field," said



#### CAT convenor.

Andhra Pradesh dominated the list with four toppers (100 percentile) — one each from Hyderabad, Samalkot, Secunderabad and Vijayawada. Mumbai has three toppers and New Delhi has one.

Candidates can log on to www.cat2013. iimidr.ac.in to check their results. Access to the results will be available till the end of this year.

Candidates have been advised to retain a printed copy of their score card.

### Engineers top CAT again, Delhi student among 100 percentilers

Hemali Chhapia & TON

Mumbai: Engineers have once again emerged as champions of the anxiety-ridden Common Admission Test (CAT) that opens doors to the prestigious Indian Institutes of Management (IIMs). Of the top 3,553 candidates who scored 98 percentile and above, 3,276 are engineers.

Results declared on Tuesday reveal that of the 1.7 lakh candidates who wrote the examination last year, eight cracked it with an enviable 100 percentile. They are from Mumbai (three), Andhra Pradesh (four) and Delhi (one).

A notch below, 17 students scored a 99.99 percentile. Of those, four are from Maharashtra, three from Delhi, two from Gujarat and Haryana each, and one each from Karnataka, West Bengal, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Tamil Nadu and Andhra Pradesh. Siva Surya Teja and Karthik Kumar from Andhra Pradesh and Anirudh Batra from Delhi are some of the other 100 percentilers.

Kalyan boy Abhiram Iyer, who is currently working in Chennai, managed to crack the exam with the perfect score in his third attempt. In the earlier ones, despite scoring 99.4 and 98.99 percentile, he did not make it to his dream institute, IIM-Ahmedabad. "I chose to gain some work experience and kept appearing for CAT and now I am hopeful," said Iyer.

For the full report, log on to www.timesofindia.com

#### पिछले साल दस छात्रों के 100 पर्सेंटाइल आए थे, इस बार शीर्ष 10 में एक भी लड़की नहीं

# कैट में सिर्फ आट छात्रों के सौ पर्सेंटाइल

#### नई दिल्ली | कार्यालय संवाददाता

बीते साल के मुकाबले इस साल कैट का परिणाम बेहतर नहीं रहा। पिछले साल दस छात्रों ने 100 पर्सैटाइल के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। इस दफा संख्या आठ तक सिमट गई है। इतना ही नहीं. लडिकयां भी पीछे रहीं। 99.99 पर्सैटाइल चार लड़िकयों ने हासिल किया था। इस दफा केवल एक ही लडकी 99.99 पर्सेंटाइल हासिल कर शीर्ष 18 में जगह बना पाई है।

दिलचस्य यह है कि शीर्ष स्थान पाने वाले आठों छात्र इंजीनियरिंग क्षेत्र हैं। इनमें से छह के पास बीटेक की डिग्री है और दो ने एमटेक किया हुआ है। आईआईटी के छात्रों का भी दखल रहा। शीर्ष आठ में शामिल दो छात्र आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी चेन्नई से डिग्री ले चुके हैं। कैट के संयोजक रोहित कपूर ने बताया कि परिणाम में काफी बदलाव देखने को मिले। लड़कियों से बेहतर की उम्मीद थी। इसके अलावा शीर्ष स्थान वालों की संख्या में इजाफा होने का भी अनुमान लगाया जा रहा था। बता दें कि कैट 2013 परीक्षा 16 अक्तूबर से 11 नवंबर 2013 के बीच देश के 40 शहरों में 76 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। गौरतलब है कि छात्र 13 भारतीय प्रबंधन संस्थानों ( आईआईएम ) और कई अन्य प्रबंधन संस्थानों में दाखिले के लिए कैट परीक्षा में बैठते हैं।

बी-स्कूलों में दाखिला महंगा : सर्वे बिजनेस स्कूलों में दाखिला चाहने वाले छात्रों का मानना है कि एमबीए और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) जैसे पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया बेहद जटिल और खर्चीली है। यह राय एक सर्वेक्षण में सामने आई है। इन्हीं छात्रों ने कंबाइंड एडिमशन टेस्ट (कैट) को 10 प्रवेश परीक्षाओं में सबसे लोकप्रिय बताया और कहा कि प्लेसमेंट रिकॉर्ड के आधार पर वे पसंदीदा बी-स्कूलों का चुनाव करते हैं। एमबीएयुनीवर्स डॉट कॉम द्वारा कैट के 445 अध्यर्थियों के बीच नवंबर में किए गए एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में 60 फीसदी अभ्यर्थियों ने कहा कि एमबीए के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं की संख्या जरूरत से ज्यादा है। 75 फीसदी ने कहा कि प्रबंधन शिक्षा की निगरानी के नए एक नियामक होना चाहिए।

### कामयाबी के लिए योजनाबद्ध अभ्यास करना जरूरी: शिवा

शीर्ष स्थान पाने वालों में चार आंध्र प्रदेश से हैं। इनमें से एक हैं 24 वर्षीय आंध्र प्रदेश के समलकोट के 24 वर्षीय शिवा सर्य तेज। शिवा बीते ढाई सालों से अनंतपर में इंफोसिस कंपनी में बतौर इंजीनियर काम कर रहे हैं।

गणित के महारथी इस छात्र का कहना है कि तैयारी करना बेहद जरूरी है। निरंतर अभ्यास से ही उन्होंने परीक्षा में यह स्थान पाया। लेकिन योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करने से ही शीर्ष स्थान पाया जा सकता है। शिवा इससे पहले तीन बार परीक्षा दे चुके थे लेकिन चौथी बारी में 100 पर्सेंटाइल हासिल करने में कामयाब हए। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को भी देते हैं। उनके पिता गणित के शिक्षक हैं। उनसे उन्होंने काफी कुछ सीखा। उनकी बदौलत ही वह इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं। बता दें कि शिवा ने अनंतपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू टेक्निकल यूनिवर्सिटी से इंजीनयरिंग स्नातक हैं।



## पिछले पेपरों से मिली मददः अभिरम

100 पर्सैटाइल पाने वालों में आईआईटी चेन्नई के छात्र रह चुके अभिरम अय्यर भी शामिल हैं। उन्होंने आईआईटी चेन्नई से बीटेक और एमटेक किया। परिणाम पर खशी जताते हुए उन्होंने कहा कि सफलता पाने के लिए लक्ष्य पर केंद्रित होना जरूरी है।

उन्होंने केंद्रित होकर बीती परीक्षाओं के सवाल सुलझाए। मॉक टेस्ट भी दिया। वह कहते हैं कि इससे पता चल पाता है कि आप सवालों को सुलझाने में कितने योग्य हैं। उसी के आधार पर फिर आगे की रणनीति तय की जाती है। तैयारी में इसी का ध्यान रखा।

इससे पहले वह दो बार कैट की परीक्षा दे चके थे। पहली बारी में 99.4 पर्सेंटाइल पाया था। दूसरी बारी में 98.99 पर्सेंटाइल रहा था। उन्होंने बताया कि दूसरी बारी के परिणाम के बाद उन्हें आईआईएम अहमदाबाद से प्रवेश का मौका मिला लेकिन उनका लक्ष्य 100 पर्सेंटाइल पर था।



## अनुभव और निरंतर अभ्यास से पाया मुकाम : अनिरुद्ध

#### नई दिल्ली | रोहित पंवार

कैट में शीर्ष स्थान पाने वाले आठ छात्रों में से एक दिल्ली के पश्चिम विहार के अनिरुद्ध बत्रा हैं। अनिरुद्ध बत्रा ने परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद कहा, 'आखिरकार मेरी मेहनत रंग लाई। नौकरी का अनुभव और घर पर देर तक पढ़ाई करने से ही ये संभव हुआ।'

उन्होंने बताया कि वह बीते साल भी कैट की परीक्षा में बैठे थे। उन्हें कैट-2012 में 98 पर्सेंटाइल हासिल किया था। लेकिन आईआईएम संस्थान में जाने की तमन्ना थी इसलिए वह दोबारा से परीक्षा में बैठे। दिलचस्प यह है कि अनिरुद्ध ने यह मुकाम नौकरी के व्यस्त कार्यक्रम के बीच पाया। उन्होंने बताया कि बीटस पिलानी से उन्होंने बीते साल



अनिरुद्ध बत्रा

ही इंजीनियरिंग की पढाई परी की। उसके बाद जुलाई 2013 में नोएडा की एक कंपनी में नौकरी की। तब से वह नौकरी ही कर रहे हैं।

वह कहते हैं कि उनके दो ही लक्ष्य थे। पहला, नौकरी करना और दूसरा आईआईएम संस्थान में प्रवेश पाना। नौकरी और तैयारी के बारे में वह कहते हैं कि दोनों का साथ होना जरूरी था

#### फिल्में देखना और घुमना है पंसद

अनिरुद्ध को फिल्में देखना और घूमना भी पसंद है। वह कहते हैं कि सप्ताहांत में वह अक्सर दोस्तों संग बाहर घूमने जाते हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि खाली समय में क्रिकेट और फुटबॉल खेलना भी पसंद है। वह कहते हैं कि तैयारी करने के लिए सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होना चाहिए। तैयारी करने वाले छात्रों को चाहिए कि वे योजनाबद्ध तरीके से अभ्यास करें और खाली समय में अपने शौक या पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हों।

क्योंकि नौकरी के अनुभव से वह पेशेवर बने। बाजार को जाना। इस व्यवाहरिक जान से उन्हें तैयारी करने में मदद मिली। रात में दफ्तर से आने के बाद वह देर रात तक तैयारी करते थे।

इसे ही वह अपनी सफलता का मंत्र

मानते हैं। किस संस्थान में प्रवेश करेंगे किसमें नहीं. इस बारे में अनिरुद्ध ने फिलहाल तय नहीं किया

है। बहरहाल, अनिरुद्ध ने पुसा रोड स्थित स्प्रिंगडेल्स स्कूल से पढ़ाई की। उनके घर में छह सदस्य हैं। मम्मी शिक्षिका हैं। पिता आईजीएल कंपनी में काम करते हैं। छोटी बहन आईजीडीटीयू से इंजीनियरिंग कर रही हैं। इसके अलावा बुआ व दादी हैं।

#### Rajasthan Patrika ND 15-Jan-14 P-7

#### आईआईटी व एनआईटी में दाखिले के लिए नई व्यवस्था } सीटें खाली रहने के कारण सरकार ने उठाया कदम

# अब कॉमन

लगातर तीन साल तक प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में सीटें रिक्त रहने के बाद अब सरकार आईआईटी और एनआईटी में दाखिले के लिए कॉमन काउंसलिंग की व्यवस्था लागू करने की तैयारी में ज़टी है। इस योजना को पहले भी टाला जा चुका है लेकिन सीटें खाली रहने के कारण इसे लागू किया जाएगा।

लगातर तीसरे वर्ष देश के क्रिमीलेयर कहे जाने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में सीटें खाली रहने से चिंतित सरकार ने आईआईटी और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) के मिलकर काउंसलिंग सत्र आयोजित करने की योजना को अब अमली जामा पहनाने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस योजना को पहले टाला जा चुका है, लेकिन इससे बड़ी संख्या में देश के आईआईटी संस्थानों में सीटें खाली रहने लगी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अब सरकार एक बार फिर से दोनों महत्वपूर्ण संस्थानों की संयुक्त काउंसलिंग कराने पर विचार कर रही है। यह जानकारी आईआईटी मद्रास के प्लेसमेंट व काउंसलिंग विभाग ने दी है जिसका कहना है कि हम तो पहले से ही सरकार से आग्रह कर रहे

थे लेकिन तब सरकार ने हमारी सुनी नहीं। अब जबकि आईआईटी की सीटें खाली रहने लगी हैं तो इस योजना पर विचार किया जा रहा है।

#### बढ रहा विरोध

हालांकि शुरू में देश के कई आईआईटी संस्थानों ने पहले ऐसे प्रस्ताव का इस आधार पर विरोध किया था कि उनकी प्रवेश प्रक्रिया एनआईटी से एक महीने पहले समाप्त हो जाती है। कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि इस विरोध की वजह यह है कि आईआईटी संस्थान खुद को एनआईटी से बेहतर मानता है जबकि मानव संसाधन मंत्रालय गाइडलाइन में स्पष्ट कहा गया है कि देश के 16 आईआईटी और 30 एनआइंटी छात्रों को उनकी पसंद का कोर्स मुहैया करवाने के लिए दोनों संस्थान मिलकर काम करें।

#### प्रवेश परीक्षा पहले

मौजदा स्थिति में उम्मीदवार को

आईआईटी और एनआईटी दोनों से प्रवेश का ऑफर मिलता है। आईआईटी की प्रवेश प्रक्रिया पहले शुरू हो जाती है और उम्मीदवार अपनी पसंद का विषय या बांच न मिलने के बावजूद कोर्स ज्वाइन कर लेते हैं क्योंकि वे एक कन्फर्म सीट चाहते हैं। बाद में किसी एनआईटी में अपनी पसंद का विषय या बांच में प्रवेश मिलने पर वे आईआईटी की सीट खाली कर देते हैं। हालांकि उस समय आईआईटी के लिए लिस्ट में मौजूद अगले छत्र को सीट की पेशकश करने के लिहाज से काफी देर हो चुकी होती है। यही नहीं छात्र को बार देश के पांच प्रमुख आईआईटी के अलावा यदि किसी अन्य नए खुले आईआईटी में प्रवेश मिलता है तो भी वहां नहीं जाते हैं और अपने शहर के ही किसी प्रमख

ऐसी स्थिति में उनकी सीटें खाली रह

हालांकि चेन्नई के उच्च शिक्षा विशेषजो का मानना है कि कॉमन काउंसलिंग से खाली सीटों की संख्या में निश्चित तौर पर कमी आएगी। गत वर्ष 600 सीटें खाली रही थी, जबकि 2012 में यह संख्या इससे दोगुनी थी।

#### मौका नहीं मिल पाता

आईआईटी मद्रास के एक प्रोफेसर ने कहा कि अक्सर उम्मीदवार किसी हुई सीट के लिए एडमिशन फीस भरने के बाद फैरफ्य करने के आईआईटी या एनआईटी में अलॉट बाद फैसला करते हैं कि उन्हें कहां एडमिशन लेना है। आमतौर पर वे अंतिम समय तक अपना एडमिशन कैंसल नहीं करते, इससे सत्र के शुरू होने पर ही खाली सीटों का पता चलता है। इसके नतीजे में जेईई (ज्वाइंट एटेंस एग्जाम) में कम रैंक वाले बहुत से उम्मीदवारों को एडमिशन का मौका नहीं मिल पाता। एक ही ऑफर मिलेगा

कॉमन काउंसलिंग का मतलब है एक

#### विदेशी छात्रों की पहली पंसद है चेन्नई

चैनई. शिक्षा के हब के रूप में अपनी पहचान बना चुका चेन्नई अब विदेशों में भी तेजी जगह बना रहा है। यही वजह है कि यहां बड़ी संख्या में विदेशी उच्च शिक्षा और प्रोपेयगल कोरोंज के लिए आ रहे हैं और उनकी संख्या हर साल बढ़ रही है। इस साल कुल 1200 रजिस्ट्रेयन में से 49 फीसदी विदेशी यागी 960 छात्र यहां पढ़ाई के लिए आए। पिछले साल की तुलना में यह आंकड़ा 17 प्रतिशत ज्यादा है। देखने में आया है कि ईरान, अफगानिस्तान, साउथ कोरिया और नाईजीरिया से ज्यादा छात्र आ रहे हैं। महानगर में रिशत विभिन्न कॉलेजों से मिले आंकड़ों के अनुसार 2013 में 24 दिसंबर तक कुल 1200 विदेशी छात्रों ने रजिस्ट्रेगन कराया। आंकड़ों के अनुसार करीब 80 प्रतिरात छात्रों ने वीजा के तहत रजिस्ट्रेशन कराया है। बाकी के 20 फीसदी विदेशी छात्रों ने बतौर ट्रिस्ट या फिर जॉब के मकसद से रजिस्टेशन कराया।

छत्र को आईआईटी और एनआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रशासक ने से एक ही ऑफर मिलेगा। दूसरा ऑपान तब दिया जाएगा उम्मीदवार पहला प्रस्ताव लेने से मना करेगा। आईआईटी का कहना है कि ज्वाइंट काउंसलिंग सिस्टम में दो अलग-अलग संस्थानों के प्रवेश में एक महीने का अंतर होने की वजह से प्रक्रिया का समन्वय करना थोड़ा मश्किल होगा। महानगर के एक

कहा आईआईटी मानते हैं कि इस तरह की किसी भी कोशिश से उनके बांड को धक्का लगेगा और देश के प्रीमियर इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशन के तौर पर साख कम हो जोएगी। दूसरी ओर आईआईटी की ओर से विरोध होने की आशंका के बावजूद इस बार सरकार इस योजना को लागू करने का पक्का इरादा रखती है।

Rashtriya Sahara ND 15-Jan-14

## चंद्रयान-2 के लिए बना रोवर खा रहा धूल

कानपुर (एजेंसी)। चंद्रयान-२ के लिए 31 अक्टूबर 2010 बना रोवर आईआईटी कानपर की प्रयोगशाला में पड़ा है। इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर त्रिवेंद्रम के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को चंद्रयान-2 के साथ जाना है, लेकिन इसमें लगा आधा पैसा तीन साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इसरो ने आईआईटी को नहीं दिया है। इसको पुरा करने में आईआईटी कानपुर ने 29 लाख रुपए की सहायता की। आईआईटी कानपुर के इलेक्टिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. केएस वेंकटेश और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आशीष दत्ता को इसरो का यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा गया था। प्रो. वेंकटेश ने मंगलवार को विशेष बातचीत में बताया, हम दोनों ने जब इस प्रोजेक्ट का आकलन किया तो वह करीब 38 लाख रुपए आ रहा था जबकि इसरो इसके लिये केवल साढ़े सात लाख रुपए ही दे रहा था तो हमने इसको करने से इनकार कर दिया।

प्री. वेंकटेश के मुताबिक उस समय आईआईटी के निदेशक रहे प्रो. संजय गोविंद धांडे ने कहा कि यह परियोजना हमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिला सकती है इसलिये इसमें जो भी

तीन साल पहले आईआईटी कानपुर की प्रयोगशाला में किया गया था तैयार

पैसा लगेगा वह आईआईटी कानपुर लगायेगा। इसरो ने अप्रैल 2009 में हमें रोवर बनाने का काम सौंपा था और तीन लाख 75 हजार रुपए की धनराशि सौंपी थी और इतनी ही धनराशि परियोजना प्री होने के बाद सौंपने को कहा था।

प्रो. वेंकटेश कहते है कि प्रोजेक्ट परा हो जाने के बाद हमारी टीम ने कई बार इसरो की टीम को पत्र द्वारा सचित किया कि चंद्रयान-2 पर जाने वाला रोवर तैयार हो गया है। अपने

वैज्ञानिक भेजकर इसका परीक्षण करा लें तथा वायदे के मुताबिक प्रोजेक्ट का बकाया धनराशि तीन लाख 75 हजार रुपए आईआईटी को दे दें, लेकिन हमारे पत्र व्यवहार और फोन काल पर हमेशा इसरों के वैज्ञानिकों ने यहीं कहा कि जल्द ही हमारे वैज्ञानिकों की टीम आएगी और रोवर का परीक्षण करेगी। तीन साल से अधिक का समय हो गया न तो इसरो के वैज्ञानिकों की टीम यहां परीक्षण करने आयी और न ही हमारी बकाया तीन लाख 75 हजार की धनराशि हमें दी गई। जब इस बारे में इसरो से संपर्क किया गया तो उसके अधिकारियों ने कहा कि इस पर अभी वें कुछ नहीं कह सकते।

### इसरो ने वर्ष 2009 में आईआईटी को दिया था प्रोजेक्ट

इसरों के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर त्रिवेंद्रम ने आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को वर्ष 2009 में चंद्रयान-2 के लिये साढ़े सात लाख रुपए में एक रोवर बनाने का प्रोजेक्ट दिया था जिसके लिए इसरो ने तीन लाख 75 हजार रुपए आईआईटी को सीपे थे। यह लगभग 100 किलोग्राम वजन का रोवर चंद्रयान-2 के साथ जाना है और वहां पर उतरकर मिट्टी के नमने लेगा और उसे वापस जांच के लिये चंद्रयान-2 पर लायेगा ।

#### Pioneer ND 15.01.2013 P-14

The online IEE exam is scheduled for this April but there is confusion among students whether to take the offline or online test. Since the online mock programmes and tests give an extensive idea about how to tackle the online exam. MANAS KAPOOR says that taking it is a better way to improve scores provided the students are able to cope with limited the environment

The advancement in technology has left no stone unturned and has taken JEE to the next level. It has begun equipping students with tools to prepare for online JEE exams. Besides advanced technology and creative teaching schemes skilled education are being implemented for the preparatory programmes. The online mock tests and JEE mains tests provide an extensive idea on how to deal with the online JEE tests in a realistic way. Since the number of online aspirants has been increased for ber of online aspirants has been increased for the 2014 exam, there is need to provide students the best experience so they can prepare for the JEE exam to improve their scores.

The education programmes provide JEE mains practice problems, video lectures and DVDs that enable the students to prepare for exams at home while creating a classroom environment at their place of convenience. The online preparation cover all the three main subjects like Physics, Chemistry and Mathematics. The success of these online educational and preparatory courses has inspired them to preparatory courses has inspired them to expand this programme for all the school exam boards and other engineering entrance tests.

The online platforms provide the students online testing solutions so that they can assess their skill level for the online JEE. Online exams as the students have to work in a strictly limited environment, so they should learn to be comparable within the restricted area. The virtual fortable within the restricted area. The virtual platforms are facilitating all types of JEE tests online for the students who aim at qualifying in

These online educational courses are creating ripples with their excellent online education management solutions and their efforts are wide-

management solutions and their efforts are widely supporting students to access the required online JEE solutions easily. Undoubtedly, with the fabulous faculty facilitated by such programmes, they ensure enabling each student to achieve his objective and perform beyond the expectations in online JEE.

Preparing the students to fulfill their dreams to be an engineer through IIT is taken very seriously and all aspects of preparations are taken care of virtually. The test facilities include android, iOS testing and evaluation system particularly for online JEE. They dedicate their complete support to facilitate the limitless online JEE preparation tests for the students.

preparation tests for the students.

The students also get complete information



ONLINE EDUCATIONAL

RIPPLES WITH THEIR

**EXCELLENT ONLINE** 

**SOLUTIONS & THEIR** 

IN ACCESSING THE

SOLUTIONS EASILY

**EFFORTS ARE WIDELY** 

REQUIRED ONLINE JEE

SUPPORTING STUDENTS

**EDUCATION** 

MANAGEMENT

COURSES ARE CREATING

# Go online

on how to solve the online JEE questions, academic lecture videos and transcriptions, payment structure and much more. They aim at supporting the JEE aspirants in qualifying for the toughest exam of India and they also guarantees. antee that their efforts will help them eventu-ally. Breaking through the barriers, these plat-forms are trying to reach every student in the country so that he can access this facility and achieve his milestone in JEE.

With the spectacular support of testing and evaluation systems, the students can participate in online JEE efficiently and perform accurately without wasting any time. The stimulated automatic test engines in these platforms are similar to the wastern securided in the are similar to the system as provided in the final online JEE exam. They are also compe-tent to assess the performance of every aspi-

The online JEE preparation programme feature excellent practice tests that are made and analysed by the specific subject masters having exhaustive experience in their particular field. In order to get the complete benefit of these programmes, the students only need to register on the website and choose the particular practice test in any subject at different levels. The students can prepare their own exams with the help of the question materials subject wise, lesson wise and at the different levels from ever to example of the property of the pro-

The online JEE test also enables the students to analyse their performance by checking the correct answers. Complete solutions are provided to tackle any difficulty the students

could come across. The technology also gives the students a personal report with the comprehensive analysis that helps them understand their weak points.

The JEE aspirant is very familiar with the cut-throat competition for IIT. Also, the IIT administration has set up the following criteria for the students that must be fulfilled if they want to qualify in JEE 2014 in which 1.5 million students will be eligible to appear in the JEE advanced exam and each aspirant must have above 80 per cent marks in their board exam. Considering that IIT's admission shall be solely made on the base of advanced JEE rank, it is important to score well. important to score well.

With the technology available, the online JEE testing and preparation programmes provide a vast opportunity to qualify the toughest level. They have provided a new destination to the education sector and the imaginary classes are proving to be the relatively more reliable companion of students in the exam preparation. The student can attend the online lectures any time and many times. The online JEE aspirants can receive tailor-made benefits by participating in the vital testing provided by these programmes. They can receive the online test modules and DVDs. They can prac-tice the tests as many times until they feel like experts in each concept by using the extensive resources. They can take the test and lecture DVDs at home and practice it.

The test package includes a bundle of model tests and former year test papers. With this extensive test series, the students can practice different zones of online IEE in the recommended time. They can test their skills and match their answers with the solutions provided at the backside of each test paper. They can practice more and more to complete the test within the provided time and cover up their

within the provided time and cover up their weak aspects in any subject.

With this exclusive opportunity, they can simply recognise their weak areas and work on them to make them their strength. These programmes cover every aspect of preparation and leave no area where the students would have doubts. The test benefits are created in order to encourage every JEE aspirant to work on their problems until they are completely satisfied.

(The writer is founder,

# Can UP universities raise the standard of higher education?

**GRIM SCENARIO** Nearly 519 out of 1,666 teaching posts vacant in 13 universities

#### **HT Correspondent**

■ Ikoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: President Pranab Mukherjee (on January 7) and vice-president M Hamid Ansari (on January 9) have on different occasions stressed upon improvement in standards of higher education and quality of research in universities.

But 519 vacant teaching posts against the 1,666 sanctioned posts in 13 state universities shows how grim the situation is in UP.

For instance, in Lucknow University against 520 sanctioned posts, more than 140 are vacant. The university, having a student strength of 20,000, makes use of part-time teachers and guest faculty to manage work, said an official.

Retired teachers are also being re-employed to fill up the vacancies in state universities. Teachers who take undergraduate classes get a fixed monthly salary of ₹ 20.000 and those who

| Universities     | Professor | Associate prof | Assistant prof |
|------------------|-----------|----------------|----------------|
| Lucknow Univ     | 31        | 42             | 69             |
| Barielly Univ    | 4         | 8              | 7              |
| Meerut Univ      | 4         | 14             | 14             |
| Agra University  | 11        | 15             | 27             |
| Jhansi Univ      | 2         | 5              | 0              |
| Kanpur Univ      | 1         | 0              | 2              |
| Jaunpur Univ     | 7         | 10             | 7              |
| MGKV, Varanasi   | 5         | 8              | 11             |
| Gorakhpur Univ   | 26        | 25             | 90             |
| Faizabad Univ    | 5         | 5              | 2              |
| Sansk Univ       | 5         | 6              | 35             |
| RML Law Univ     | 2         | 2              | 2              |
| Rajarshi Allahbd | 5         | 2              | 3              |
| Total vacancies  | 108       | 144            | 269            |

teach post graduate students get ₹25,000. Not just in Lucknow, there is acute shortage of teachers in all the 13 state universities of UP. As many as 108 posts of professors. 142 posts of associate professors and 269 posts of assistant professors are vacant.

The situation is worse in degree colleges (government and aided) where against the total sanctioned posts of 15.589 about

#### RETIRED TEACHERS ARE ALSO BEING RE-EMPLOYED TO FILL UP THE VACANCIES IN STATE UNIVERSITIES

3,770 are lying vacant. There are 136 government and 331 aided colleges in the state.

"To ensure quality teaching in higher education it is essential that teachers are appointed before the start of the academic session next month," said Maulendu Mishra, former president, LUACTA.

In its recent report, the Parliament's Standing Committee on human resource development sought to diagnose the problem. "It observed that traditional universities in our country are so overburdened with imparting undergraduate and postgraduate education and managing the affiliation system that they are not able to focus on research.

#### letters@hindustantimes.com

#### The suspension of Professor Neeraj Hatekar is arbitrary and unfair

We, the undersigned, would like to join our voices to those protesting against the suspension of Professor Neeraj Hatekar for raising various issues pertaining to administration of the University of Mumbai. If the examples of mismanagement cited in the press note issued by Hatekar are true, then they can seriously erode the academic standards of the institution. Hatekar's suspension on grounds of 'spreading false propaganda' and 'moral turpitude' looks like an attempt to muzzle dissent, intimidate critics and avoid scrutiny on the part of the university authorities. If the vice-chancellor of university felt that Hatekar's press release had maligned him, he could have sued him for defamation in a court of law. Instead, he has only confirmed what Professor Hatekar alluded to in his press note — arbitrary use of power. We are not in a position to judge whether Hatekar's charges are true or not. However, as a well-respected academic, his criticism of the administration deserves to be taken seriously. He should not face punitive action until the truth is verified by an independent committee or a court of law. The vice-chancellor, in this instance, cannot credibly act as an impartial judge since he himself stands accused of serious wrongdoings. The academic community and the public need to be reassured that Hatekar's suspension is not an act of vendetta against a whistleblower.

ABHIJIT BANERJEE, Massachusetts
Institute of Technology,
PRANAB BARDHAN , University of California, Berkeley
JAGDISH BHAGWATI, Columbia University,
BHARAT RAMASWAMI, Indian Statistical Institute,
DEBRAJ RAY, New York University.



 Panjab University vice-chancellor Arun Kumar Grover launching the online grievance monitoring system at the V-C office in Chandigarh on Tuesday.

# PUV-C launches web-based grievance redressal system

HT Correspondent

chandigarh@hindustantimes.com

CHANDIGARH: Panjab University (PU) on Tuesday launched the online examination grievance-monitoring system to redress the examination-related queries in a time-bound manner. The facility would be available to all the students studying in the PU and its affiliated colleges.

On this occasion, PUV-C Arun Kumar Grover said this would help in redressing the examination-related grievances of the students timely. As many as 11 PU officials have been assigned the duty to handle the students' grievances related to the examination system.

Now the students would have to just post their grievances through an email in a prescribed format following which it would be punched in the application software and linked with the THE ONLINE
SYSTEM WILL HELP
IN REDRESSING THE
EXAMINATION-RELATED
GRIEVANCES OF THE
STUDENTS IN A
TIME-BOUND MANNER.

AK GROVER, V-C, PU

branch concerned. After the department concerned would solve the grievance, a reply would be sent to the applicant through an email with prescribed details.

The concerned branch would check grievances on day-to-day basis and dispose them of within three to five working days. This facility would immensely benefit the college students in Punjab and Chandigarh as they could only report about their examination-related grievances, said an official.

Giving details of the mechanism, PU controller of examination (COE) Parvinder Singh said candidates could email their grievances on examgrievances@pu.ac.in and their grievances would be resolved in a time-bound manner.

Everyday, the PU receives numerous complaints regarding the roll numbers, degree certificates, result-related inquiry, reevaluation, fee-related inquiry, correction in form, wrong subject, problem in examination form and submission of documents, etc. This facility would also help in speeding up the grievance-redressal process. The controller of examination can check the status of the grievances on a daily, weekly or monthly-basis through the webbased modules.

## **CBSE Extends Free Helpline Open at All 7 days for JEE Main and CET aspirants**

With an attempt to help students with their queries or confusion, the Central Board of Secondary Education (CBSE) has extended its free helpline service, which now will serve at all 7 days in a week, from 9 a.m. till 5p.m. This service is available for all Class X and XII students as well as for the aspirants appearing in the JEE Main Exam and CET Exam, which are conducted by the CBSE.

The toll free helpline number 1800-11-8002 will make the exam less nerve-racking for students by clarifying any doubts asked.

The CBSE has also revamped itself in past few years to make students at ease with the examination system and also to make the education system more fruitful and enhanced. One such big move to notice is that CBSE will now mention formulae in the question papers from which the student will have to choose the correct one to solve the numeric problem accordingly by class XI students from March 2014 examinations. The aim of this new pattern is to discourage the rote system of learning various subjects, which is observed in many students. The change will also encourage the students to solve questions using their analytical skills and through application based approach.

The new question papers with having important formulae mentioned will be framed by the CBSE subject committees. The New question paper pattern will be introduced in 2014-2015 academic session for class 11th, whereas the class 12th will see it from session 2015-2016 onwards.

http://www.jagranjosh.com/articles/cbse-extends-free-helpline-open-at-all-7-days-for-jee-main-and-cet-aspirants-1389679969-1

#### India tackling multiple challenges in education: Tharoor

IANS | Thiruvananthapuram January 14, 2014 Last Updated at 22:10 IST

Education in <u>India</u> has made monumental progress since Independence, but continues to face daunting challenges at multiple levels particularly in terms of quality, infrastructure and dropout rates, said Minister of State for Human Resource Development <u>Shashi Tharoor</u>.

Tharoor was speaking at an interaction with a group of students and faculty members from US's Kansas University (KU) in the state on an 18-day visit as part of their exchange programme with the Asian School of Business (ASB) here.

"We have islands of excellence floating in a sea of mediocrity. And institutions here do not adequately prepare students for the jobs market which is why many industries often have to spend time and effort on supplementary training for people they recruit," he said.

"I'm not a techno-determinist. I believe we need to improve our existing human resources and technology can only be a complement," he added.

Tharoor said Kerala has rates comparable to the US in terms of literacy, life expectancy, healthcare indicators, higher education and female empowerment, all of which it has achieved despite having just one-70th of the US's per capita income.

On brain drain, he said the trend was now reversing with many Indians educated abroad coming back to work in their home country.

"There was a time when bright people had few prospects for higher education and good jobs here. But that is changing. India is no longer seen as an undesirable place to work or pursue research," he said.

The team, led by Prof Kissan Joseph from the KU School of Business and Prof Michael Detamore from the Kansas University School of Engineering, has visited several establishments in the state capital.

This is the fifth group of Kansas University students to visit Kerala under the exchange programme with ASB.

http://www.business-standard.com/article/news-ians/india-tackling-multiple-challenges-in-education-tharoor-114011401061 1.html

#### **Uncertainty ends, AICTE to monitor B-schools**

DC | L. Venkat Ram Reddy | 14th Jan 2014

**Hyderabad:** Ending uncertainty over B-school admissions, the University Grants Commission has finally given some much-needed clarity over their 'recognition status'.

The All India Council for Technical Education, which lost regulatory powers to the UGC recently, following directions from the Supreme Court, will continue to monitor functioning of B-schools.

While the UGC will regulate management institutes offering masters degree in management courses (MBA), the AICTE will regulate the B-schools offering Post Graduate Diploma in Management (PGDM) courses.

The development comes just in time as the results of the Common Admission Test (CAT-2013) is set to be announced on January 14 and several B-schools give admissions based on the CAT scores of aspirants.

There was uncertainty over the admissions procedure for B-schools this year due to doubts over their recognition — whether they will be recognised by the AICTE or the UGC.

B-schools recognised by the AICTE and are not affiliated to any university. So, with the AICTE losing regulatory powers over technical and management institutes, the University Grants Commission has issued a clarification stating that B-schools still come under AICTE, since the Supreme Court had only pointed out that institutes affiliated to universities cannot be regulated by AICTE and B-schools are usually not affiliated to any university.